क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	26/4/24	पत्रावली [illegible] होना / [illegible] / की जा [illegible] दि. [illegible] / को पेश हो। 06/05/24
	06/5/24	पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी एवं अप्रार्थी सं. 1 लगायत 6 के अधिवक्ता उपस्थित। प्रार्थी अधिवक्ता को अप्रार्थी सं. 15 लगायत 18 के रजि. नोटिस पेश करने हिदायत की जाकर पत्रावली दिनांक 31/5/24 को पेश हो। [signature]
	19/7/24	पत्रावली पेश हुई। P.O. साहब बोर्ड / अन्य कार्य में व्यस्त रहने के कारण / कार्यवाही नहीं की जा सकी। पत्रावली / दिनांक 19/7/24 को पेश हो। [signature]
	19/7/24	पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी एवं अप्रार्थी सं. 1 लगा. 6 के अधिवक्ता उपस्थित। प्रतिवादी संख्या 15 लगा. 18 के विरुद्ध मूलवाद में पूर्व में ही एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जा चुकी है। वकील उभयपक्ष ने बहस हेतु निवेदन किया। वकील उभयपक्ष की प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा पर बहस सुनी गई। पत्रावली पर उपलब्ध रिकॉर्ड का अवलोकन एवं उभयपक्ष अधिवक्ता द्वारा दौराने बहस जाहिर तथ्यों पर मनन करने के उपरांत विवादित ख.न. 2546 से 2555 तथा ख.न. 2557 से 2568 कुल किता 22 कुल रकबा 3.4300 हैक्टेयर स्थित ग्राम [illegible] तहसील [illegible] जिला जयपुर के संबंध में उभयपक्षों को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि उभयपक्ष उक्त आराजी ख.न. पर मौके एवं रिकॉर्ड की यथास्थिति ताफैसला वाद तक बनाए रखें। पत्रावली नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो। [signature]